HINDI OVERVIEW
GRADES VI, VII AND VIII

Delhi Board of School Education (DBSE)

Directorate of Education, Government of National Capital Territory of Delhi

TABLE OF CONTENTS

1. भाषा : एक परिचय 3

1.1 MYP **में भाषा सीखने संबंधित शिक्षण के उद्देश्य** 3

1.2 MYP **भाषा अधिग्रहण के उद्देश्य** 4

2. हिन्दी विषय 7

2.1. **महत्वपूर्ण अवधारणाएं** 7

3. हिंदी पाठ्यक्रम का अवलोकन 9

4. मूल्यांकन अवलोकन 12

4.1 **मूल्यांकन संरचना** 13

4.2 **मूल्यांकन कैलेंडर** 14

4.3 **मूल्यांकन स्तर और ग्रेड** 15

1. भाषा : एक परिचय

भाषा मनुष्य के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास का आधार होती है। मनुष्य के मन-मस्तिष्क में चलने वाली समस्त भावनात्मक और बौद्धिक गतिकी भाषा में ही सम्पन्न होती है। यही नहीं मानव के द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले सभी अभिव्यक्ति-माध्यमों में भाषा, अपनी सहजता, गहनता और व्यापकता के कारण सर्वाधिक प्रचलन में है।

वर्तमान युग सूचना-संचार क्रांति का युग है। सूचना-संचार क्रांति के इस युग में अभिव्यक्ति के सर्वाधिक प्रचलित माध्यम के रूप में भाषा की संप्रेषणीयता के विविध आयाम निरंतर खुलकर सामने आ रहे है। यों अपनी प्रकृति में भाषा शुरू से ही देश-काल के सापेक्ष निरंतर गतिमान (dynamic) प्रकृति की रही है किन्तु वर्तमान परिदृश्य में भाषा के परिवर्तन की रफ्तार पहले से कहीं तीव्र है। आज सिनेमा, टेलीविज़न, रेडियो, इंटरनेट आधारित टेलीविज़न (ott), सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्मों इत्यादि पर प्रयोग होने वाली भाषा, अब तक प्रचलित भाषा की अपेक्षा अधिक तेजी से बदल रही है। यह बदलाव न केवल भाषा की संरचना के स्तर पर बल्कि उसकी अर्थवहन क्षमता के स्तर पर भी महसूस की जा सकती है।

अकादमिक जगत में यह सर्वमान्य है कि प्रथम भाषा न केवल एक विषय के रूप में महत्वपूर्ण होती है बल्कि वह अन्य विषयों को समझने और व्यक्त करने के माध्यम के रूप में बेहद आधारभूत भूमिका निभाती है। प्रथम भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम भर नहीं होती है, वह विद्यार्थियों की कल्पना, संवेदना और सोचने-समझने की क्षमता के विकास से अन्योन्याश्रित रूप से जुड़ी होती है। अतः प्रथम भाषा के अध्ययन-अध्यापन में जहाँ भाषा की संरचनात्मक बनावट-बुनावट पर ध्यान दिया जाता है वहीं संप्रेषण और संवेदना के विकास की दृष्टि से साहित्य की विविध विधाओं का भी विशेष रूप से अध्ययन किया जाता है। दिल्ली के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा प्रायः प्रथम भाषा के रूप में प्रचलित है।

माध्यमिक कक्षाओं पर पढ़ने वाले किशोर-किशोरियों में मनोवैज्ञानिक रूप से यह अमूर्त चिंतन, सौन्दर्यानुभूति, जिज्ञासा, सामूहिकता, भावुकता, राग इत्यादि वृत्तियों के विकास का समय होता है। स्पष्टतः यह विद्यार्थी के विश्लेषणात्मक, विवेचनात्मक, समालोचनात्मक और सृजनात्मक कौशलों के विकास का दौर यही होता है।मनोवैज्ञानिक विकास की इस अवस्था में उसे एक खुली सोच वाले, अनुभवी, संवेदनशील और मित्रवत शिक्षक की आवश्यकता होती है। चूँकि प्रथम भाषा उसके भावात्मक, बौद्धिक और सम्प्रेषण की क्षमता के विकास की दृष्टि से आधार की भूमिका निभाती है अतः प्रथम भाषा के शिक्षक के लिए तो ये गुण और भी महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं।

1.1 MYP में भाषा सीखने संबंधित शिक्षण के उद्देश्य

सभी MYP विषयों के उद्देश्य कहते हैं कि शिक्षक क्या सिखाने की उम्मीद कर सकता है और छात्र क्या अनुभव करने और सीखने की उम्मीद कर सकता है। ये उद्देश्य सुझाव देते हैं कि सीखने के अनुभव द्वारा छात्र के बहु-साक्षरता कौशल, संकल्पनात्मक और अंतरसांस्कृतिक समझ को कैसे विकसित किया जा सकता है।

भाषाओं को पढ़ाने और सीखने का व्यापक उद्देश्य छात्र को महत्वपूर्ण और कुशल संचारक बनने में योग्य बनाना है।

MYP भाषा अधिग्रहण के शिक्षण और सीखने के उद्देश्य हैं:

- अपनी मातृभाषा और सांस्कृतिक विरासत को कायम रखने का समर्थन करते हुए अतिरिक्त भाषा में कुशलता हासिल करना
- विभिन्न भाषाई और सांस्कृतिक विरासतों के प्रति सम्मान और समझ विकसित करना

- आगे की भाषा सीखने के लिए, और प्रामाणिक संदर्भों की श्रृंखला में अध्ययन, काम और अवकाश के लिए और विभिन्न दर्शकों और उद्देश्यों के लिए आवश्यक छात्र के संचार कौशल का विकास करना
- संचार के विभिन्न तरीकों में मल्टीमीडिया जैसे शिक्षण उपकरणों की श्रृंखला के उपयोग द्वारा छात्र को बहुसाक्षरता कौशल विकसित करने के योग्य बनाना
- छात्र को विभिन्न प्रकार के साहित्यिक और गैर-साहित्यिक पाठों की प्रशंसा विकसित करने और अर्थ की समझ और निर्माण के लिए महत्वपूर्ण और रचनात्मक तकनीकों को विकसित करने के योग्य बनाना
- छात्र को पहचानने और अन्य विषयों में विचार करने, चिंतन करने, आत्म-अभिव्यक्ति और सीखने के साधन के रूप में और साक्षरता बढ़ाने के रूप में भाषा का उपयोग करने के योग्य बनाना
- भाषा की किस्म और भाषा सीखने की प्रक्रिया को समझने के लिए छात्र को योग्य बनाना, जिसमें भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक घटकों का एकीकरण शामिल है
- उन समुदायों की सांस्कृतिक विशेषताओं की समझ प्रदान करना जहां भाषा बोली जाती है
- अपनी और अन्य संस्कृतियों के लोगों के दृष्टिकोण संबंधित जागरूकता और समझ को प्रोत्साहित करना जिससे उनके अपने और अन्य समुदायों में भागीदारी और कार्रवाई हो सके।
- भाषा सीखने में जिज्ञासा, पूछताछ और आजीवन दिलचस्पी और आनंद को बढ़ावा देना।

1.2 MYP भाषा अधिग्रहण के उद्देश्य

MYP भाषा अधिग्रहण में ज्ञान के तथ्यात्मक, वैचारिक, प्रक्रियात्मक और मेटा-संज्ञानात्मक आयाम शामिल हैं। छात्र के ज्ञान और समझ को इसके द्वारा विकसित किया जाएगा:

- भाषा सीखना
- भाषा द्वारा सीखना
- भाषा के बारे में सीखना (हॉलिडे 1985)

A. सुनना

कुशलता स्तर के लिए उपयुक्त, भाषा अधिग्रहण के उद्देश्यों तक पहुँचने के लिए, छात्रों को इसके योग्य होना चाहिए:

बहुविध पाठों में स्पष्ट और अप्रत्यक्ष रूप से बोली जाने वाली जानकारी की समझ दिखाना

- टेक्स्ट/पाठ की सामग्री क्या है? बोली जाने वाली भाषा में कौन से विवरण बहुविध टेक्स्ट/पाठ के बड़े विचारों और स्पष्ट विशेषताओं से संबंधित हैं? (संदेश: शाब्दिक (स्पष्ट) और अंतर्निहित)
  - सम्मेलनों की समझ प्रदर्शित करना
- कौन से भाषा सम्मेलन सुने जा सकते है? उदाहरण के लिए, नाम लेना, अभिवादन करना। कौनसे व्यवहार सम्मेलनों को देखा जा सकता है? उदाहरण के लिए, ड्रेस कोड, इशारे/हावभाव—हाथ मिलाना, झुकना।
  - बहुविध टेक्स्ट/पाठ के विभिन्न घटकों के बीच संबंधों की समझ प्रदर्शित करना

- बहुविध टेक्स्ट/पाठ के विभिन्न घटकों के बीच क्या संबंध हैं? क्या वे समान संदर्भ साझा करते हैं? क्या टेक्स्ट/पाठ छात्र की निजी दुनिया से संबंध रखता है?

B. पढ़ना

प्रवीणता स्तर के लिए उपयुक्त, भाषा अधिग्रहण के उद्देश्यों तक पहुँचने के लिए, छात्रों को इसमें सक्षम होना चाहिए:

- बहुविध टेक्स्ट/पाठों में स्पष्ट और निहित लिखित जानकारी की समझ प्रदर्शित करना
  - टेक्स्ट/पाठ कौनसी किस्म का है? सामग्री क्या है? लिखित भाषा में कौन से विवरण बहुविध टेक्स्ट/पाठ के बड़े विचारों और स्पष्ट विशेषताओं से संबंधित हैं? (संदेश: शाब्दिक/स्पष्ट, अस्पष्ट)
- सम्मेलनों की समझ प्रदर्शित करना
  - बहुविध टेक्स्ट/पाठ में कौन-से भाषा सम्मेलन का प्रयोग किया जाता है? उदाहरण के लिए, औपचारिक और अनौपचारिक भाषा, विराम चिह्न, शब्द चयन। टेक्स्ट/पाठ का संचार उद्देश्य क्या है? अपेक्षित दर्शक कौन हैं? बहुविध टेक्स्ट में कौन-से टेक्स्ट सम्मेलनों का उपयोग किया जाता है? उदाहरण के लिए, टेक्सट के रंग, संरचना, प्रारूप—लेआउट और भौतिक संगठन का उपयोग।
- बहुविध टेक्स्ट के विभिन्न घटकों के बीच संबंधों की समझ प्रदर्शित करना
  - क्या वे समान संदर्भ साझा करते हैं? क्या टेक्स्ट/पाठ छात्र की निजी दुनिया से संबंध रखता है?

C. बोलना

प्रवीणता स्तर के लिए उपयुक्त, भाषा अधिग्रहण के उद्देश्यों तक पहुँचने के लिए छात्रों को इसके योग्य होना चाहिए:

- दूसरों के साथ संवाद करने और बातचीत करने के लिए बोली जाने वाली भाषा का उपयोग करना
  - छात्र/वक्ता की भूमिका क्या है? प्रसंग क्या है? दर्शक कौन हैं? बातचीत का उद्देश्य क्या है? संदेश क्या है?
- बोलने में सटीकता और रवानगी प्रदर्शित करना
  - भाषा का कितना सटीक उपयोग किया गया है? बोलचाल वाली भाषा कहाँ तक सुगम है?
- स्पष्ट और प्रभावी ढंग से संवाद करना
  - छात्र सूचनाओं का संचार कितनी अच्छी तरह करता है? प्रासंगिक जानकारी और विचारों को कितना सही और रवानगी से बताया गया है?

D. लिखना

प्रवीणता स्तर के लिए उपयुक्त, भाषा अधिग्रहण के उद्देश्यों तक पहुँचने के लिए छात्रों को इसके योग्य होना चाहिए:

- दूसरों के साथ संवाद करने के लिए लिखित भाषा का प्रयोग करना

- छात्र/लेखक की भूमिका क्या है? दर्शक कौन है? उद्देश्य 10 भाषा अधिग्रहण गाइड, लिखित टेक्सट का उद्देश्य क्या है? संदेश क्या है?

- भाषा सम्मेलनों का सटीक उपयोग प्रदर्शित करना
  - भाषा का कितना सटीक उपयोग किया गया है? भाषा किस हद तक सुबोध है?
- जानकारी को लिखित रूप में व्यवस्थित करें, क्या छात्र उपयुक्त प्रारूप का उपयोग करता है?
  - टेक्स्ट के संगठन में किस हद तक संयोजक डिवाईसों का उपयोग किया जाता है?
- दर्शकों और उद्देश्य की समझ के साथ जानकारी का संचार करना।
  - प्रासंगिक जानकारी और विचारों को कैसे बताया जाता है? छात्र कितनी अच्छी तरह संवाद करता है ताकि रीडर/पाठक को टेक्स्ट समझ में आए?

2. हिन्दी विषय

अपनी बात को कहने, सुनने और समझने के लिए हम भाषा का प्रयोग करते हैं। भाषा ही हमारे चिंतन का आधार होती है। भाषा पर बात करते समय कुछ सामान्य उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति होती है, जैसे- बच्चों को शुद्ध बोलने तथा लिखने का ज्ञान होता है। सरल, प्रभावपूर्ण भाषा में अपने भाव एवं विचारों को व्यक्त कर पाते हैं । लिखित भाषा को पढ़ने एवं समझने की योग्यता आती है ।

भाषागत इन सामान्य उद्देश्यों के साथ साथ MYP-4 और MYP-5 स्तर तक छात्रों में भाषा के माध्यम से कुछ अन्य उद्देश्यों की भी प्रतिपूर्ति की जाएगी, जैसे- साहित्य की अन्यान्य विधाओं- कहानी, कविता, नाटक, एकांकी, संस्मरण, रिपोर्ताज, निबंध, यात्रा संस्मरण, लेखन कौशल, व्याकरण में निपुणता।

कवित्व निर्माण प्रेरणा, आलोच्य प्रतिभा विकास, कर्तव्यबोध, संवेदनशीलता, राष्ट्र और समाज निर्माण चेतना, लयात्मकता की समझ , भाषा- व्यवहार और रचनात्मकता , विधा निर्माण, प्रेम और त्याग, सभ्यता, संस्कृति की समझ भी इसके अधिगम उद्देश्य में समाहित हैं ।

2.1. महत्वपूर्ण अवधारणाएं

प्रमुख अवधारणाएं व्यापक पाठ्यक्रम के विकास को बढ़ावा देती हैं। वे बड़े विचारों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो दोनों अनुशासन और विषयों में प्रासंगिक हैं। प्रमुख अवधारणाओं की जांच • भाषा और साहित्य विषय समूह (अंतर-अनुशासनात्मक शिक्षा) • अन्य विषय समूहों (अंतःअनुशासनात्मक शिक्षा) के बीच संबंधों की सुविधा प्रदान कर सकती है।

भाषा और साहित्य के अध्ययन द्वारा योगदान देने वाली प्रमुख अवधारणाएं संचार, संबंध, रचनात्मकता और दृष्टिकोण हैं।

प्रमुख अवधारणाएं व्यापक पाठ्यक्रम के विकास को बढ़ावा देती हैं। वे बड़े विचारों का प्रतिनिधित्व करती हैं जो दोनों अति-सरलीकृत और पक्षपातपूर्ण व्याख्याओं की प्रतिक्रिया देते हैं। विविध विचारों और दृष्टिकोणों का अनुसरण करना और उन पर विचार करना जटिल और रक्षात्मक व्याख्याओं को विकसित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

संचार

संचार संकेतों, तथ्यों, विचारों और प्रतीकों का आदान-प्रदान या हस्तांतरण है। इसके लिए प्रेषक, संदेश और इच्छित प्राप्तकर्ता की आवश्यकता होती है। संचार में सूचना या अर्थ बताने की गतिविधि शामिल होती है। प्रभावी संचार के लिए सामान्य "भाषा" की आवश्यकता होती है (जो लिखित, मौखिक या गैर-मौखिक हो सकती है)।

टेक्स्ट की खोज करने द्वारा, हम सूचनाओं, तथ्यों, विचारों, अर्थों और विचारों का आदान-प्रदान, व्यक्त, विश्लेषण और परिवर्तन करते हैं। संचार वह आधार है जो हमें मानव बनाता है और दुनिया भर में समुदायों को आपस में जोड़ता है; यही इस अनुशासन/विषय का सार है।

संबंध

संबंध लोगों, वस्तुओं, जीवों या विचारों के बीच संपर्क, बंधन और रिश्ता है।

भाषाई और साहित्यिक संबंध समय, टेक्स्ट और संस्कृतियों के बीच मौजूद हैं। यह अवधारणा भाषा और साहित्य के अध्ययन के लिए केंद्रीय है। भाषा और साहित्य की साधारण किस्म के कारण, आख्यानों के भीतर और उनके बीच संबंध और स्थानांतरण मौजूद हैं। यह भाषा की खोज और टेक्स्ट, निर्माता और दर्शकों के बीच संबंधों की अनुमति देता है।

रचनात्मकता

रचनात्मकता नए विचारों को उत्पन्न करने और मौजूदा विचारों पर नए दृष्टिकोण से विचार करने की प्रक्रिया है। रचनात्मकता में समस्याओं के लिए नवीन प्रतिक्रियाओं को विकसित करते समय विचारों के मूल्य को पहचानने की क्षमता शामिल है; यह प्रक्रिया के साथ-साथ परिणामों, उत्पादों या समाधानों में भी स्पष्ट हो सकता है।

MYP भाषा और साहित्य में, यह भाषा के साथ विचारों को संश्लेषित करने की प्रक्रिया है जो रचनात्मकता का साधन है। यह बातचीत और चिंतन का परिणाम है, चाहे स्वयं के साथ या व्यापक समुदाय के साथ हो। इस प्रक्रिया को परिभाषित करना और इसका मूल्यांकन करना कठिन है। हालांकि, यह उस प्रक्रिया के मूल्यांकन पर टिकी हुई है जिसके साथ व्यक्ति, और दर्शकों पर अंतिम उत्पाद का प्रभाव संलग्न है।

संस्कृति

संस्कृति में सीखे और साझा किए गए विश्वासों, मूल्यों, रुचियों, दृष्टिकोणों, उत्पादों, जानने के तरीकों और मानव समुदायों द्वारा बनाए गए व्यवहार के पैटर्न की श्रृंखला शामिल है। संस्कृति की अवधारणा गतिशील और जैविक है।

समुदाय की भाषा सीखने से विविधता को अपनाने, संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ बातचीत करने और सार्थक वैश्विक बातचीत में भाग लेने के अवसर प्राप्त होते हैं, जो बदले में सामाजिक-सांस्कृतिक क्षमता और अंतर-सांस्कृतिक जागरूकता विकसित करता है जिससे अंतर्राष्ट्रीय-मानसिकता पैदा होती है।

3. हिंदी पाठ्यक्रम का अवलोकन

डीबीएसई में शैक्षणिक वर्ष की दो टर्म होती हैं। कक्षा VI से VIII के पाठ्यक्रम को 6 इकाइयों में बांटा गया है। इन इकाइयों को शैक्षणिक वर्ष की दो टर्मों में वितरित किया जाता है। इकाई के नाम, सामग्री, अवधि और सीखने के संसाधन बाद के अनुभागों में दिए गए हैं।

तालिका 1: कक्षा VI इकाइयों में इकाई के नाम, सामग्री, अवधि और सीखने के संसाधन

कक्षा VI			
Term 1			
Unit	**Content**	**Duration**	**Resources**
साहस और प्रज्ञा	• उत्साह, तत्परता, उत्सुकता, चंचलता, वत्सलता, भावाभिव्यक्ति, लयात्मकता की समझ	6 weeks	1. बालक चंद्रगुप्त (नाटक) 2. चिड़िया और चुरुन्गुन (कविता)
परिवेश के प्रति सजगता	सहयोग, सजगता, संवेदनशीलता, कृतज्ञता, प्रवीनता,राष्ट्र और समाज निर्माण चेतना,भाषा व्यवहार और रचनात्मकता)	6 weeks	1. अपराध (कहानी) 2. अक्षरों की खोज (निबंध)
संस्कृति एवं सभ्यता के सृजनात्मकता के विभिन्न रूपों की पहचान	राष्ट्र और समाज निर्माण चेतना, विधा निर्माण चेतना, भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	6 weeks	- अनमोल वाणी - कबीर, रहीम, मीरा

Grade VI - Term 2			
विज्ञान व तकनीक दारा नव चेतना का विकास तथा अन्य दिशाएं	• सजगता, संवेदनशीलता ,सन्देश ,विधा निर्माण चेतना ,भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	6 weeks	1- जब सिनेमा ने बोलना सीखा - प्रहलाद अग्रवाल 2- अहिल्या बाई होलकर
संवेदनशीलता का विकास	उक्ति ,सन्देश ,सजगता ,परंपरा ,संवेदनशीलता ,भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	6 weeks	1- विज्ञान कथा -शुकदेव प्रसाद 2- कुरुक्षेत्र - रामधारी सिंह दिनकर
सामाजिक सहयोग	• संस्कृति , सभ्यता ,संवेदना ,भाषा व्यवहार और रचनात्मकता	6 weeks	1- जल बैंक -अशोक गुजराती 2- माँ कह एक कहानी - मैथली शरण गुप्त

तालिका 2: कक्षा VII इकाइयों में इकाई के नाम, सामग्री, अवधि और सीखने के संसाधन

कक्षा VII			
Term 1			
Unit	**Content**	**Duration**	**Resources**
हमारा सतत् प्रयास एवं सहसंबंध	• उत्साह, तत्परता, उत्सुकता, अर्थापन, भाव और तात्पर्य उद्घाटन	6 weeks	दादी मां , कोशिश करने वालों की हार नहीं होती
परिवेश के प्रति सजगता	चरित्र निर्माण, संयम, त्याग, व्यवस्था, संवेदनशीलता, उत्तरदायित्व	6 weeks	• हार की जीत, • भोलाराम का जीव
संस्कृति एवं सभ्यता का विकास	• चरित्र निर्माण, संयम, त्याग, व्यवस्था, संवेदनशीलता, उत्तरदायित्व	6 weeks	खान पान की बदलती तस्वीर, नर हो न निराश करो मन को

Term 2			
वैज्ञानिक एवं तकनीकी नवाचार	• संस्कृति, पोषण,संयम, व्यवस्था	6 weeks	रक्त और हमारा शरीर, पेड़ पौधों का जीवन
संवेदनशीलता का विकास	• संस्कृति, भाषा, व्यवस्था, वित्त संचालन, प्रबंधन	6 weeks	विश्व हिंदी शांति की भाषा है(साईजी माकिनो), आश्रम का अनुमानित व्यय
सामाजिक सहयोग	उत्तरदायित्व, उत्सुकता, उत्साह, जागृति, अभिप्रेरणा, संयम,	6 weeks	कठपु तली, अपूर्व अनुभव

तालिका 3: कक्षा VIII इकाइयों में इकाई के नाम, सामग्री, अवधि और सीखने के संसाधन

कक्षा VIII			
Term 1			
Unit	**Content**	**Duration**	**Resources**
समय और सभ्यताएं	ग्राम-समाज का परिचय, समान कार्य-व्यवहार का अवसर मिलने पर नारी की उपादेयता से परिचय, आंचलिकता, बहुभाषिकता, साहित्य-विधा की पहचान (कहानी और रिपोर्ताज), विभिन्न व्याकरणिक कोटियों से परिचय	6 weeks	लाख की चूड़ियाँ (कहानी) जहाँ पहिया है (रिपोर्ताज)
मानव सम्बन्ध एवं व्यवहार	लक्ष्य की समझ, कार्य करने के पूर्व की तैयारी, व्यावसायिकता, देश काल वातावरण, साहित्य-विधा की पहचान (कहानी और कविता), विभिन्न व्याकरणिक कोटियों से परिचय (विशेषण, कविता पठन, उपसर्ग, प्रत्यय, देशज, विदेशज शब्द तत्सम एवं तद्भव शब्द, विलोम, पर्यायवाची शब्द	6 weeks	• पंथ की पहचान (कविता), • काबुलीवाला (कहानी)
व्यक्तिगत और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति	व्यवस्था, सामंजस्य, रूचि, शौक और आवश्यकता, साहित्य-विधा की पहचान (निबंध), विभिन्न व्याकरणिक कोटियों से परिचय (क्रिया, कारक, मुहावरे और लोकोक्तियाँ	6 weeks	• बस की यात्रा (हरिशंकर परसाई), • विज्ञापन ही विज्ञापन(मोहन राकेश)

Term 2			
वैज्ञानिक एवं तकनीकी नवोन्मेष	नवाचार, वैज्ञानिक एवं तकनीकी समझ, खोज, साहित्य-विधा की पहचान (निबंध), विभिन्न व्याकरणिक कोटियों से परिचय (अव्यय, विराम चिह्न	6 weeks	जब सिनेमा ने बोलना सीखा, विक्रम साराभाई
वैश्वीकरण एवं सतत् विकास	वैश्विक समझ , विकास की निरंतरता, साहित्य-विधा की पहचान (कहानी और निबंध), विभिन्न व्याकरणिक कोटियों से परिचय (अनुच्छेद लेखन	6 weeks	शौहरत की छलांग, हमारा तुम्हारा वतन एक ही है (कविता)
उचित अवसर और विकास	समानता, समरूपता , स्थायी एवं सतत विकास, साहित्य-विधा की पहचान (कहानी और दोहे), विभिन्न व्याकरणिक कोटियों से परिचय (पत्र लेखन,	6 weeks	टोपी, अनमोल वचन (रहीम)

4. मूल्यांकन अवलोकन

मूल्यांकन और रिपोर्टिंग के लिए डीबीएसई दृष्टिकोण आईबी निर्दिष्ट मूल्यांकन मानदंड और ग्रेड पर आधारित है। मानदंड आधारित आकलन छात्रों को आत्म-निगरानी और आत्म-विश्वास का निर्माण करने में सक्षम बनाता है क्योंकि वे समय के साथ उनके द्वारा की जा रही प्रगति के प्रमाण देख सकते हैं। स्तर के वर्णनकर्ताओं का उपयोग करके छात्र अपनी प्रगति को ट्रैक कर सकते हैं, वे स्पष्ट रूप से समझ सकते हैं कि समय के साथ उनके काम को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।

हिंदी में मूल्यांकन किए गए चार मुख्य मानदंड हैं:

- मानदंड A - सुनना
- मानदंड B – पढ़ना
- मानदंड C – बोलना
- मानदंड D – लिखना

डीबीएसई छात्रों के आकलन के कई तरीकों को बढ़ावा देता है। डीबीएसई स्कूलों में सीखने की अवधि के दौरान तीन प्रकार के आकलन किए जाते हैं।

सीखने के लिए मूल्यांकन: यह छात्रों और शिक्षकों द्वारा उपयोग के लिए सबूत इकट्ठा करने और व्याख्या करने की प्रक्रिया है, यह जानने के लिए कि छात्र अपने शिक्षा के मार्ग पर कहां हैं, यह तय करें कि उन्हें कहां जाना है और वहां कैसे जाना है। शिक्षक सहायक भूमिका निभाता है जिसमें छात्रों की उनके शिक्षा के मार्ग पर प्रगति करने में मदद करने के लिए मूल्यांकन कार्यों में छात्र प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया जाता है। परिणामस्वरूप, यह महत्वपूर्ण है कि ध्यान लगाकर सीखने को सक्षम करने और शिक्षण को बेहतर बनाने में सहायता करने के लिए इन आकलनों के साथ हमेशा फीडबैक और फीड-फॉरवर्ड तंत्र होना चाहिए। उदाहरण, कार्यों में होमवर्क, क्लासवर्क, कक्षा परीक्षण/क्लास टेस्ट, असाइनमेंट, प्रोजेक्ट आदि शामिल हैं। मूल्यांकनों को सीखने के स्तर के आधार पर छात्रों को सही मात्रा में चुनौती देनी चाहिए ताकि उचित प्रतिक्रिया प्रदान की जा सके।

सीखने का मूल्यांकन: यह शिक्षा चक्र, जैसे कि सीखने की अवधि के अंत में, के प्रमुख बिंदुओं पर होता है जैसे कि टर्म, यह मापने के लिए कि क्या छात्रों ने सीखने के उद्देश्यों को प्राप्त किया है। उदाहरण, कार्यों में परीक्षा, अंतिम परियोजनाएं, निबंध आदि शामिल हैं। प्राथमिक उद्देश्य यह आकलन करना है कि शिक्षा के अगले चरण में जाने के लिए छात्र अपनी तत्परता को समझने के लिए निश्चित समय में क्या कर सकते हैं।

सीखने के रूप में मूल्यांकन: छात्रों को अपनी प्रगति की निगरानी, स्व-मूल्यांकन और अपनी शिक्षा पर विचार करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, कार्यों में स्व-मूल्यांकन, सहकर्मी मूल्यांकन, छात्र पोर्टफोलियो आदि शामिल हैं।

आंतरिक मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले मूल्यांकन कार्य और तरीके मानदंड से संबंधित, छात्र-केंद्रित हैं और शिक्षा को और बढ़ाने के लिए प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं। छात्र के प्रदर्शन की रिपोर्ट करने के लिए दो प्रकार के आकलन का उपयोग किया जाता है।

- आंतरिक मूल्यांकन (आईए) (20%)
- टर्म के अंत में मूल्यांकन (TA) (80%)

आंतरिक मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले मूल्यांकन कार्य और विधियां छात्रों को अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों को कई तरीकों से दिखाने और शिक्षा को और बढ़ाने हेतु प्रतिक्रिया प्रदान करने का अवसर प्रदान करती हैं। बाहरी मूल्यांकन कार्य गणित के लिए परिभाषित पाठ्यचर्या उद्देश्यों पर आधारित होते हैं।

कक्षा VI, VII और VIII के लिए रिपोर्टिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले डीबीएसई मूल्यांकन स्कूल के नेतृत्व वाले हैं।

4.1 मूल्यांकन संरचना

वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यास बहुआयामी मूल्यांकन संरचना का सुझाव देते हैं। अर्थात्, छात्रों का मूल्यांकन कई तरीकों से और कई बार शिक्षकों या छात्रों के कार्यभार को बढ़ाए बिना संभव सीमा तक किया जाना चाहिए। डीबीएसई मूल्यांकन संरचना का योजनाबद्ध प्रतिनिधित्व नीचे प्रस्तुत किया गया है:

चित्र 1: डीबीएसई में मूल्यांकन

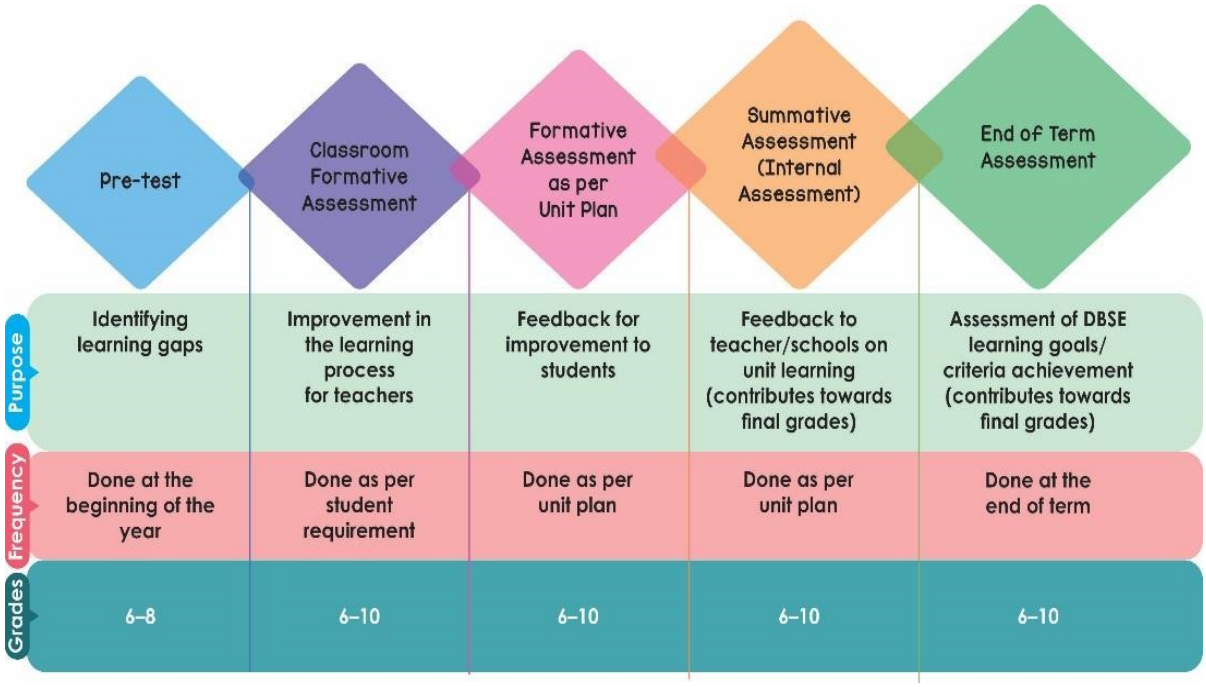

4.2 मूल्यांकन कैलेंडर

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 कक्षा VI, VII और VIII के आकलन के लिए आंतरिक और बाहरी मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन कैलेंडर नीचे दिया गया है।

तालिका 4: कक्षा VI मूल्यांकन कैलेंडर

Unit	Duration		Assessment	Criteria Assessed	Assessment Strategies
1	4-Jul	6-Aug	IA - Unit 1 Summative	बोलना	Performance-based or project-based tasks such as report-writing, presentations, writing a script, role-plays, debates, etc.
2	8-Aug	3-Sep	IA - Unit 2 Summative	पढ़ना	
3	5-Sep	24-Sep	IA - Unit 3 Summative	सुनना	
			Term-end 1	**All 4 Criteria**	**Competency based assessment**
4	1-Nov	3-Dec	IA - Unit 4 Summative	लिखना	Performance-based or project-based tasks such as report-writing, presentations, writing a script, role-plays, debates, etc.
5	5-Dec	21-Jan	IA - Unit 5 Summative	बोलना , पढ़ना	
6	23-Jan	24-Feb	IA - Unit 6 Summative	सुनना , लिखना	
			Term-end 2	**All 4 Criteria**	**Competency based assessment**

तालिका 5: कक्षा VII मूल्यांकन कैलेंडर

Unit	Duration		Assessment	Criteria Assessed	Assessment Strategies
1	4-Jul	6-Aug	IA - Unit 1 Summative	सुनना	Performance-based or project-based tasks such as report-writing, presentations, writing a script, role-plays, debates, etc.
2	8-Aug	3-Sep	IA - Unit 2 Summative	बोलना	
3	5-Sep	24-Sep	IA - Unit 3 Summative	पढ़ना	
			Term-end 1	**All 4 Criteria**	**Competency based assessment**
4	1-Nov	3-Dec	IA - Unit 4 Summative	लिखना	Performance-based or project-based tasks such as report-writing, presentations, writing a script, role-plays, debates, etc.
5	5-Dec	21-Jan	IA - Unit 5 Summative	पढ़ना, लिखना	
6	23-Jan	24-Feb	IA - Unit 6 Summative	सुनना , बोलना	
			Term-end 2	**All 4 Criteria**	**Competency based assessment**

तालिका 6: कक्षा VIII मूल्यांकन कैलेंडर

Unit	Duration		Assessment	Criteria Assessed	Assessment Strategies
1	4-Jul	6-Aug	IA - Unit 1 Summative	पढ़ना	Performance-based or project-based tasks such as report-writing, presentations, writing a script, role-plays, debates, etc.
2	8-Aug	3-Sep	IA - Unit 2 Summative	सुनना, बोलना	
3	5-Sep	24-Sep	IA - Unit 3 Summative	लिखना	
			Term-end 1	**All 4 Criteria**	**Competency based assessment**
4	1-Nov	3-Dec	IA - Unit 4 Summative	सुनना, बोलना	Performance-based or project-based tasks such as report-writing, presentations, writing a script, role-plays, debates, etc.
5	5-Dec	21-Jan	IA - Unit 5 Summative	पढ़ना, लिखना	
6	23-Jan	24-Feb	IA - Unit 6 Summative	सुनना, पढ़ना	
			Term-end 2	**All 4 Criteria**	**Competency based assessment**

4.3 मूल्यांकन स्तर और ग्रेड

मूल्यांकन मानदंड सीधे पाठ्यक्रम के उद्देश्यों से संबंधित हैं और समान महत्व रखते हैं। छात्र उपलब्धि स्तरों को संबंधित विवरण के साथ आईबी में किए गए नंबर ग्रेड के रूप में रिपोर्ट किया जाएगा।

ग्रेड विवरण मूल्यांकन मानदंड स्तरों पर आधारित होते हैं। मूल्यांकन मानदंड के स्तर के वर्णनकर्ता सीखने की अवधि के लिए कौशल और योग्यताओं में सुधार की स्पष्ट प्रगति दर्शाते हैं।

छात्रों की उपलब्धियों की रिपोर्ट करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सभी मूल्यांकन कार्य, कार्य विशिष्ट, पदानुक्रमिक और गुणात्मक रूप से परिभाषित किए रूब्रिक्स पर आधारित होते हैं। रूब्रिक्स में उपयोग की जाने वाली श्रेणियां किसी कार्य की प्रतिक्रिया की बढ़ती गुणवत्ता या शुद्धता का प्रतिनिधित्व करती हैं। वे मूल्यांकन कार्य के लिए छात्रों की प्रतिक्रियाओं के मूल्यांकन और रिकॉर्डिंग के लिए आधार प्रदान करते हैं। रूब्रिक मूल्यांकन अपेक्षाओं को पारदर्शी बनाता है।

प्रत्येक मानदंड में क्षमता की डिग्री दिखाने के लिए, विभिन्न स्तरों के बिल्कुल स्पष्ट विवरण का उपयोग किया जाता है। ये विवरण प्रत्येक मानदंड में उपलब्धि की प्रगति को दर्शाते हैं। आईबी हिन्दी मानदंड स्तर और ग्रेड विवरण निम्नलिखित तालिकाओं में दिए गए हैं:

तालिका 7: मापदंड A: सुनना

स्तर	स्तर विवरण
0	छात्र नीचे दिए गए किसी भी विवरणकर्ता द्वारा वर्णित मानक तक नहीं पहुंचता है।
1-2	छात्र: i. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में कम से कम बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय) की पहचान करता है ii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में बुनियादी सम्मेलनों की पहचान करता है iii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में बुनियादी संबंध की पहचान करता है।
3-4	छात्र: i. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में कुछ बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय) की पहचान करता है ii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में बुनियादी सम्मेलनों की पहचान करता है iii. सरल और कुछ जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में बुनियादी संबंधों की पहचान करता है।
5-6	छात्र: i. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में सबसे अधिक बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय, और सहायक विवरण) की पहचान करता है ii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में सम्मेलनों की व्याख्या करता है iii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में संबंधों की व्याख्या करता है।
7-8	छात्र: i. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में स्पष्ट और निहित जानकारी (तथ्य और/या राय, और सहायक विवरण) की पहचान करता है ii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में सम्मेलनों का विश्लेषण करता है iii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में संबधों का विश्लेषण करता है।

तालिका 8: मापदंड B: पढ़ना

स्तर	स्तर विवरण
0	छात्र नीचे दिए गए किसी भी विवरणकर्ता द्वारा वर्णित मानक तक नहीं पहुंचता है।
1-2	छात्र: i. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में न्यूनतम बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय) की पहचान करता है ii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में बुनियादी सम्मेलनों की पहचान करता है iii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में बुनियादी संबधों की पहचान करता है।
3-4	छात्र: i. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में कुछ बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय) की पहचान करता है ii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में बुनियादी सम्मेलनों की पहचान करता है iii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में बुनियादी संबंधों की पहचान करता है।
5-6	छात्र: i. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में सबसे अधिक बताई गई जानकारी (तथ्यों और/या राय, और सहायक विवरण) की पहचान करता है ii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में सम्मेलनों की व्याख्या करता है iii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में संबंधों की व्याख्या करता है।
7-8	छात्र: i. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में स्पष्ट और निहित जानकारी (तथ्य और/या राय, और सहायक विवरण) की पहचान करता है ii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में सम्मेलनों का विश्लेषण करता है iii. जटिल प्रामाणिक टेक्स्ट/पाठ में संबंधों का विश्लेषण करता है।

तालिका 9: मापदंड C: बोलना

स्तर	स्तर विवरण
0	छात्र नीचे दिए गए किसी भी विवरणकर्ता द्वारा वर्णित मानक तक नहीं पहुंचता है।
1-2	छात्र: i. शब्दावली की सीमित सीमा का उपयोग करता है ii. कई उन त्रुटियों के साथ व्याकरणिक संरचनाओं की सीमित श्रेणी का उपयोग करता है जो अक्सर संचार में बाधा डालती हैं iii. कई उन त्रुटियों के साथ उच्चारण और स्वर-शैली का उपयोग करता है जो अक्सर समझ में बाधा डालती हैं iv. बातचीत के दौरान, सीमित प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है
3-4	छात्र: i. शब्दावली की बुनियादी श्रेणी का उपयोग करता है ii. कुछ उन त्रुटियों के साथ व्याकरणिक संरचनाओं की बुनियादी श्रेणी का उपयोग करता है जो कभी-कभी संचार में बाधा डालती हैं iii. कुछ उन त्रुटियों के साथ उच्चारण और स्वर-शैली का उपयोग करता है जो कभी-कभी समझ में बाधा डालती हैं iv. बातचीत के दौरान, कुछ प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है।
5-6	छात्र: i. शब्दावली की श्रृंखला का उपयोग करता है ii. कुछ उन त्रुटियों के साथ कई व्याकरणिक संरचनाओं का उपयोग करता है जो संचार में बाधा नहीं डालती हैं iii. कुछ त्रुटियों के साथ उच्चारण और स्वर-शैली का उपयोग करता है। हालाँकि, ये समझ में बाधा नहीं डालती हैं iv. बातचीत के दौरान, सबसे प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है।
7-8	छात्र: i. शब्दावली की विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करता है ii. व्याकरणिक संरचनाओं की विस्तृत श्रृंखला का आमतौर पर सटीक रूप से उपयोग करता है iii. स्पष्ट उच्चारण और स्वर-शैली का उपयोग करता है जो संचार को समझने में आसान बनाती है iv. बातचीत के दौरान, सभी या लगभग सभी आवश्यक सूचनाओं को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से बताता है।

तालिका 10: मापदंड D: लिखना

स्तर	स्तर विवरण
0	छात्र नीचे दिए गए किसी भी विवरणकर्ता द्वारा वर्णित मानक तक नहीं पहुंचता है।
1-2	छात्र: i. शब्दावली की सीमित सीमा का उपयोग करता है ii. कई उन त्रुटियों के साथ व्याकरणिक संरचनाओं की सीमित श्रेणी का उपयोग करता है जो अक्सर संचार में बाधा डालती हैं iii. कुछ बुनियादी सुसज्जित उपकरणों का उपयोग करके कुछ जानकारी को पहचानने योग्य प्रारूप में व्यवस्थित करता है iv. संदर्भ के अनुरूप होने के लिए दर्शकों और उद्देश्य की कुछ समझ के साथ सीमित प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है
3-4	छात्र: i. शब्दावली की बुनियादी श्रेणी का उपयोग करता है ii. कुछ उन त्रुटियों के साथ व्याकरणिक संरचनाओं की बुनियादी श्रेणी का उपयोग करता है जो कभी-कभी संचार में बाधा डालती हैं iii. बुनियादी सुसज्जित उपकरणों की श्रृंखला का उपयोग करके पहचानने योग्य प्रारूप में जानकारी को व्यवस्थित करता है iv. संदर्भ के अनुरूप होने के लिए दर्शकों और उद्देश्य की कुछ समझ के साथ सीमित प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है
5-6	छात्र: i. शब्दावली की श्रृंखला का उपयोग करता है ii. कुछ उन त्रुटियों के साथ कई व्याकरणिक संरचनाओं का उपयोग करता है जो संचार में बाधा नहीं डालते हैं iii. सरल और जटिल सुसज्जित उपकरणों का उपयोग करके उपयुक्त प्रारूप में जानकारी को व्यवस्थित करता है iv. संदर्भ के अनुरूप होने के लिए दर्शकों और उद्देश्य की समझ के साथ सबसे अधिक प्रासंगिक जानकारी का संचार करता है।
7-8	छात्र: i. शब्दावली की विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करता है ii. व्याकरणिक संरचनाओं की विस्तृत श्रृंखला का आमतौर पर सटीक रूप से उपयोग करता है iii. विस्तृत श्रृंखला के जटिल सुसज्जित उपकरणों का उपयोग करके उपयुक्त प्रारूप में सूचना को प्रभावी ढंग से और सुसंगत रूप से व्यवस्थित करता है iv. संदर्भ के अनुरूप होने के दर्शकों और उद्देश्य की स्पष्ट समझ के साथ सभी या लगभग सभी आवश्यक जानकारी का संचार करता है।

तालिका 11: ग्रेड अंक का विवरण

ग्रेड	ग्रेड विवरण
7	भाषा की विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले अक्सर नए कार्य करता है। लिखित, मौखिक और दृश्य/विज़ुयल टेक्स्ट की विस्तृत विविधता की प्रतिक्रिया में भाषा के प्रभावी उपयोग द्वारा भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की व्यापक समझ का संचार करता है। भाषा की व्याख्या और निर्माण के लिए विवेकी महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच को लगातार प्रदर्शित करता है। अक्सर ज्ञान को स्थानांतरित करता है और विभिन्न जटिल कक्षा और वास्तविक दुनिया की स्थितियों में स्वतंत्रता और विशेषज्ञता के साथ कौशल लागू करता है।
6	भाषा की विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले कभी-कभी नए कार्य करता है। विभिन्न लिखित, मौखिक और दृश्य/विज़ुयल टेक्स्ट की प्रतिक्रिया में भाषा के प्रभावी उपयोग द्वारा भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की व्यापक समझ का संचार करता है। भाषा की व्याख्या और निर्माण के लिए अक्सर विवेकता के साथ महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच प्रदर्शित करता है। ज्ञान को स्थानांतरित करता है और विभिन्न परिचित और अपरिचित कक्षा और वास्तविक दुनिया की स्थितियों में अक्सर स्वतंत्रता और सटीकता के साथ कौशल लागू करता है।
5	भाषा की श्रृंखला का उपयोग करके आम तौर पर उच्च गुणवत्ता वाला कार्य करता है। विभिन्न प्रकार के लिखित, मौखिक और दृश्य/विज़ुयल टेक्स्ट/पाठों की प्रतिक्रिया में भाषा के प्रभावी उपयोग के माध्यम से भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की अच्छी समझ का संचार करता है। भाषा की व्याख्या और निर्माण के लिए कभी-कभी विवेकता के साथ महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच को प्रदर्शित करता है। आमतौर पर ज्ञान को स्थानांतरित करता है और कुछ स्वतंत्रता के साथ परिचित कक्षा और वास्तविक दुनिया की स्थितियों में कौशल लागू करता है।
4	भाषा की श्रृंखला का उपयोग करके अच्छी गुणवत्ता वाले काम करता है। कुछ गलतफहमी और मामूली अंतराल के साथ लिखित, मौखिक और दृश्य/विज़ुयल टेक्स्ट/पाठों की श्रृंखला की प्रतिक्रिया में भाषा के उपयोग द्वारा अधिकांश भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की बुनियादी समझ का संचार करता है। भाषा की व्याख्या और निर्माण के लिए अक्सर महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच प्रदर्शित करता है। कुछ ज्ञान को स्थानांतरित करता है और परिचित कक्षा स्थितियों में कुछ कौशल लागू करता है, लेकिन अपरिचित परिस्थितियों में समर्थन की आवश्यकता होती है।
3	भाषा की बुनियादी श्रेणी का उपयोग करके स्वीकार्य गुणवत्ता का काम करता है। कभी-कभी महत्वपूर्ण गलतफहमी या अंतराल के साथ, भाषा के उपयोग द्वारा कई भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की बुनियादी समझ का संचार करता है। भाषा की व्याख्या और निर्माण के लिए कुछ महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच का प्रदर्शन करना शुरू करता है। परिचित कक्षा स्थितियों में भी समर्थन की आवश्यकता सहित ज्ञान को स्थानांतरित करना और कौशल लागू करना शुरू करता है।

2	भाषा की अत्यंत बुनियादी श्रेणी का उपयोग करके सीमित गुणवत्ता का काम करता है। समझ में महत्वपूर्ण अंतराल के साथ कुछ भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की सीमित समझ का संचार करता है। भाषा की व्याख्या और निर्माण के लिए महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच के सीमित प्रमाण प्रदर्शित करता है। ज्ञान के स्थानांतरण और कौशल के प्रयोग के सीमित प्रमाण हैं।
1	बहुत सीमित गुणवत्ता का काम करता है। कई बड़ी गलतफहमियों को व्यक्त करता है या अधिकांश भाषाई अवधारणाओं और संदर्भों की समझ का अभाव रखता है। भाषा की व्याख्या और निर्माण के लिए महत्वपूर्ण या रचनात्मक सोच का प्रमाण शायद ही कभी प्रदर्शित करता है। बहुत दृढ़, शायद ही कभी ज्ञान या कौशल का सबूत दिखाता है।